[Shri N. Dennis]

So, the Government may be pleased to take early steps for the speedy completion of this work and adequate funds for the same may be allotted without any further delay.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (Guna): Sir, it is a happy coincidence that you are in the Chair. I am sure, my 377 will warm the cockles of your heart. I am raising a matter under rule 377 concerning your constituency.

MR. CHAIRMAN: Thank you for that.

(iv) Need for constructing overbridge at Dabra Railway station on Agra-Jhansi section of Central Railway

SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Dabra situated about 45 kms, south of Gawalior on Jhansi-Agra section of the Central Railway is a fast-growing town in Madhya Pradesh. It has a big sugar factory and a number of rice mills. It is also an important centre of trade in foodgrains. Being situated in the middle of a well irrigated area, growing sugarcane, wheat and rice, a large number of canegrowers and farmers come daily to the town. Hence there is heavy traffic on the main road of the town throughout the day.

As the railway line cuts across the main road, the closing of the gates on the level-crossing for long intervals a number of times during the day causes great inconvenience to the busy traffic on the road and hinders normal business activities. Consequently, there has been a long-standing demand from the town and the farmers for the provision of a railway overbridge in replacement of the level-crossing there. I would, therefore, urge upon the Ministry the construction of a railway overbridge at Dabra on a priority basis.

MR. CHAIRMAN: Thank you once again.

(v) Supply of L.P.G. Cylinders to Gujarat

श्री मोती भाई आर० चौधरी (मेहसाना): सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

गुजरात में खाना पकाने की गैस सिलिंडरों की भारी कमी पैदा हुई है। ग्राहकों को दो-दो महीने तक गैस के सिलेंडर नहीं मिल पाते हैं। अधिक पैसे देने पर दुकानदार कुछ लोगों को गैस सिलेंडर उपलब्ध करा देते हैं। इससे भारी परेशानी पैदा हो रही है और आम जनता में भारी असंतोष व्याप्त है और आन्दोलन भी छेड़े जा रहे हैं। फिर भी गैस की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। कहा जाता है कि दिल्ली में गैस सिलेंडर भरने के संयंत्र में आग लगने से जो कमी पैदा हुई, यह गुजरात से सिलेंडर देकर पूरी की जा रही है। जिससे गुजरात में यह विषम स्थिति पैदा हुई है। गुजराती कोयली रिफाइनरी से ज्यादातर सिलेंडर जो गुजरात को मिलता था, वह दिल्ली भेजा जा रहा है। इसी वजह से गुजरात को गैस नहीं मिल पा रही है। अगर यह स्थिति सही है तो बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। किसी एक प्रदेश को खुश करने के लिए दूसरे प्रदेश की सुविधा छीनना अथवा अन्याय करना उचित नहीं है। यह सरकार के लिए लांछन है। अतः सही स्थिति का पता लगाया जाए और गुजरात को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने में जो गिरावट आई है उसे तत्काल दुरुस्त किया जाए और उसकी जरूरत के मुताबिक उसे पूर्ण मात्रा में सिलेंडर मिलें ऐसा प्रबन्ध किया जाए और आइन्दा कभी भी ऐसी स्थिति पैदा न हो इसके लिये भी पक्का प्रबन्ध किया जाए।